क्रेडिट स्कोर से यूपीआई तक होंगे बड़े बदलाव

1 जनवरी से टैक्स, बैंकिंग और पेमेंट नियम बदलेंगे

नई दिल्ली, 29 दिसंबहर. साल 2025 अब खत्म होने जा रहा है और इसके साथ ही आम आदमी की फाइनेंशियल लाइफ में बड़े बदलावों का दौर शुरू होने वाला है. 31 दिसंबर सिर्फ साल का आखिरी दिन नहीं, बल्कि टैक्स, निवेश और बैंकिंग से जुड़े कई अहम काम निपटाने की अंतिम तारीख भी है.

वहीं 1 जनवरी 2026 से क्रेडिट स्कोर, इनकम टैक्स, पैन-आधार, यूपीआई,आईटीआर फाइलिंग और स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स से जुड़े नियम बदल जाएंगे. इन बदलावों का सीधा असर आपकी जेब, निवेश और लोन पर पड़ेगा. अगर समय रहते तैयारी नहीं की, तो नुकसान उठाना पड़ सकता है.

आईटीआर और सेविंग स्कीम अलर्ट- नया साल शुरू होने से पहले 31 दिसंबर आम आदमी के लिए बेहद अहम तारीख बन गई है. टैक्स रिटर्न, पैन-आधार लिंक और निवेश से जुड़े कई बड़े फैसले इसी तारीख से सीधे प्रभावित होंगे. आईटीआर फाइल करने की आखिरी डेडलाइन खत्म होते ही रिफंड का मौका हाथ से निकल सकता है और भारी जुर्माना देना पड़ सकता है. वहीं पैन-आधार लिंक न होने पर पैन निष्क्रिय होने का खतरा है. इसके साथ ही छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कटौती की आशंका भी है. ऐसे में साल खत्म होने से पहले सही वित्तीय फैसले लेना बेहद जरूरी हो गया है. 31 दिसंबर की डेडलाइन, टैक्सपेयर्स रहें अलर्ट- नया साल शुरू होने से पहले टैक्सपेयर्स के लिए 31 दिसंबर बेहद अहम तारीख बन गई है.

> इनकम टैक्स विभाग ने साफ कर दिया है कि आईटीआर फाइलिंग और पैन-आधार लिंकिंग में किसी भी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विलंबित रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है, जिसके बाद रिफंड का दावा मुश्किल हो जाएगा. वहीं, पैन-आधार लिंक न होने पर 1 जनवरी 2026 से पैन निष्क्रिय हो सकता है, जिससे बैंकिंग और निवेश से जुड़े कई काम अटक सकते हैं.

नवंबर में विनिर्माण ने बढ़ाई औद्योगिक उत्पादन दर

नई दिल्ली, 29 दिसंबर. विनिर्माण क्षेत्र में आठ फीसदी की जबरदस्त तेजी के दम पर नवंबर में सालाना आधार पर देश का औद्योगिक उत्पादन 6.68 प्रतिशत बढ़ा. यह औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण क्षेत्र में अक्टूबर 2023 के बाद 25 महीने की सबसे ज्यादा वृद्धि दर है. अक्टूबर 2023 में औद्योगिक उत्पादन 11.89 फीसदी बढ़ा था.

इससे पहले अक्टूबर 2025 में औद्योगिक उत्पादन 0.40 प्रतिशत और पिछले साल नवंबर में 4.96 प्रतिशत बढ़ा था. केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में खनन क्षेत्र की वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रही जबकि बिजली उत्पादन में एक साल पहले की तुलना में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी.

पीआर कॉन्फ्रेंस में आरईसी को बड़ी कामयाबी

देहरादून, 29 दिसंबर. हाल ही में देहरादून में पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस में आरईसी लिमिटेड को दो प्रतिष्ठित अवॉर्ड से सम्मानित किया गया.

आरईसी लिमिटेड को पब्लिक रिलेशन्स और इन-हाउस जर्नल कैटेगरी में अवॉर्ड मिले, जिसमें स्टेकहोल्डर कम्युनिकेशन को मजबूत करने, ट्रांसपेरेंसी को बढ़ावा देने, और स्ट्रक्चर्ड और भरोसेमंद कम्युनिकेशन प्रैक्टिस के ज़रिए अपने इंस्टीट्यूशनल इनिशिएटिव्स को असरदार तरीके से पेश करने में ऑर्गनाइज़ेशन की लगातार कोशिशों को पहचान मिली. ये अवॉर्ड पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और उत्तराखंड विधानसभा की स्पीकर श्रीमती रितु खंडूरी भूषण ने दिए. कॉन्फ्रेंस की कार्रवाई के दौरान हुए अवॉर्ड सेरेमनी में आरईसी लिमिटेड, देहरादून ऑफिस के सीपीएम श्री सुनील बिष्ट और आरईसी कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस टीम के सदस्यों ने ये अवॉर्ड लिए.कॉन्फ्रेंस के दौरान, आरईसी की कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन टीम ने पब्लिक सेक्टर के उपक्रमों में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन की भूमिका पर एक प्रेजेंटेशन भी दिया, जिसमें पब्लिक सेक्टर के संगठनों में ट्रांसपेरेंसी, भरोसा और इंस्टीट्यूशनल क्रेडिबिलिटी बढ़ाने में कम्युनिकेशन की बदलती स्ट्रेटेजिक भूमिका पर ज़ोर दिया गया.

ये अवॉर्ड्स आरईसी के पब्लिक रिलेशन्स के लिए स्ट्रेटेजिक अप्रोच, अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के साथ इसके लगातार जुड़ाव, और इसके इन-हाउस जर्नल की क्वालिटी और रेलिवेंस को दिखाते हैं, जो इंटरनल कम्युनिकेशन, एम्प्लॉई एंगेजमेंट, और ऑर्गनाइजेशन के विजन और वैल्यूज के हिसाब से जानकारी फैलाने में अहम भूमिका निभाता है.

सोना-चांदी ने बनाया ऑलटाइम हाई रिकार्ड

1.38 लाख रुपए पार हुआ सोना

2.43 लाख रुपए पर पहुंची चांदी

नई दिल्ली, 29 दिसंबर . साल 2025 के आखिरी दिनों में सोना और चांदी निवेशकों के लिए सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गए हैं. लगातार पांचवें कारोबारी दिन दोनों कीमती धातुओं ने ऑलटाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया है.

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के ताजा आंकड़े बताते हैं कि 10 ग्राम सोना 1.38 लाख रुपये के पार निकल गया है, जबकि चांदी की कीमत 2.43 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है. कमजोर डॉलर, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की भारी खरीद और इंडस्ट्रियल डिमांड ने बाजार में ऐसी तेजी पैदा की है, जिसने पुराने सभी अनुमान पीछे छोड़ दिए हैं. साल की शुरुआत में जहां सोने-चांदी की कीमतें आम निवेशकों की पहुंच में थीं, वहीं अब ये ऐतिहासिक ऊंचाई पर हैं.

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह तेजी सिर्फ सट्टेबाजी नहीं, बल्कि मजबूत वैश्विक फैक्टर्स का नतीजा है. यही वजह है कि आने वाले महीनों में भी कीमतों में नरमी की उम्मीद कम नजर आ रही है.

> इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोना 205 रुपये की बढ़त के साथ 1,38,161 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. वहीं चांदी में जोरदार उछाल दर्ज किया गया और इसका भाव 15,376 रुपये बढ़कर 2,43,483 रुपये प्रति किलो हो गया. साल 2025 की बात करें तो सोना अब तक 61,999 रुपये और चांदी 1,57,466 रुपये महंगी हो चुकी है. 31 दिसंबर 2024 को जहां 10 ग्राम सोना 76,162 रुपये का था, वहीं अब इसकी कीमत लगभग दोगुनी हो गई है. इसी तरह चांदी भी 86,017 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 2 .43 लाख रुपये तक पहुंच गई है.

एयरटेल ने डिजिटल टीवी पर लॉन्च किया कार्टून नेटवर्क क्लासिक

नई दिल्ली, 29 दिसंबर. दूरसंचार सेवा प्रदाता एयरटेल ने एयरटेल डिजिटल टीवी पर पुराने जमाने के लोकप्रिय कार्टून सीरीजों के लिए एक विशेष चैनल की शुरुआत की घोषणा की है. कंपनी ने बताया कि एयरटेल कार्टून नेटवर्क क्लासिक के नाम से इस विशिष्ट मूल्यवर्द्धित सेवा की शुरुआत वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के साथ मिलकर की जा रही है. उसने बताया कि इस पर टॉम एंड जेरी, द फ्लिंटस्टोन्स, लूनी ट्यून्स, स्कूबी डू, जॉनी ब्रेवो और अन्य क्लासिक उपलब्ध होंगे. एक ओर जहां इन कार्टून को देखते हुए बड़ी होने वाली पीढ़ी एक बार फिर उन दिनों की यादों को ताजा कर सकेगी, वहीं वे आज के समय की पीढ़ी को भी इससे रू-ब-रू करा सकेंगे.

जीएसटी 2 .0 से आम आदमी को बड़ी राहत

राउंडअप 2025

नई दिल्ली, 29 दिसंबर. साल 2025 भारत की टैक्स व्यवस्था में बड़े बदलाव का गवाह बना है. केंद्र सरकार ने जीएसटी 2.0 लागू कर टैक्स सिस्टम को पहले से ज्यादा सरल और आम आदमी के अनुकूल बना दिया है.

सितंबर 2025 से लागू नए नियमों के तहत टैक्स स्लैब घटाए गए, हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस से जीएसटी हटाया गया और रोजमर्रा की कई चीज़ें सस्ती हुईं. इन सुधारों से महंगाई पर लगाम और उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिली है.

साल 2025 को देश की टैक्स व्यवस्था के इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है. केंद्र सरकार ने जीएसटी 2.0 लागू कर वस्तु एवं सेवा कर को पहले से ज्यादा सरल, पारदर्शी और आम आदमी के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है.

सितंबर 2025 से लागू इन सुधारों का सीधा फायदा आम उपभोक्ताओं को मिला है, क्योंकि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई चीज़ों के दाम घट गए हैं. जीएसटी की शुरुआत के बाद से पहली बार टैक्स स्लैब की संख्या को चार से घटाकर दो मुख्य स्लैब कर दिया गया है. अब ज्यादातर वस्तुएं केवल 5 प्रतिशत या 18प्रतिशत जीएसटी के दायरे में आती हैं.

वहीं, लग्जरी और सिन गुड्स के लिए 40 प्रतिशत की नई उच्च दर तय की गई है, जिससे आम उपभोक्ता पर टैक्स का बोझ कम हुआ है. सबसे बड़ी राहत हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर मिली है, जहां से जीएसटी पूरी तरह हटा दिया गया है. इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोडक्ट्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर में टैक्स कटौती से उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा असर पड़ा है.

> ### जीएसटी रिफॉर्म्स
> 2025 सरकार द्वारा लागू किए गए जीएसटी 2 .0 के तहत टैक्स सिस्टम को व्यापक रूप से सरल किया गया है. सितंबर 2025 से लागू इन बदलावों में सबसे अहम फैसला जीएसटी स्लैब को 4 से घटाकर 2 मुख्य स्लैब (5ब्र और 18ब्र) करना रहा. इसके अलावा लग्जरी और सिन गुड्स पर 40ब्र की नई टैक्स दर लागू की गई है. इन सुधारों का सीधा असर आम आदमी के खर्चों पर पड़ा है. स्मार्ट टीवी, रेफ्रिजरेटर, मोटरसाइकिल, छोटी कारें और कई घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स सस्ते हो गए हैं. एफएमसीजी सेक्टर में भी नमकीन, चिप्स, पास्ता, घी और मक्खन जैसे उत्पादों पर टैक्स कम हुआ है, जिससे रोजमर्रा की खरीदारी पर बचत संभव हुई है. सबसे बड़ी राहत हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस को लेकर आई है. इन पर पहले लगने वाला जीएसटी पूरी तरह खत्म कर दिया गया है, जिससे मध्यम वर्ग और वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत मिली है.

ऑटो-आईटी समूह के शेयरों में दिखा दबाव

मुंबई, 29 दिसंबर. विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही. बीएसई सेंसेक्स 345.91 अंक टूटकर 84,695.54 पर और एनएसई निफ्टी-50 100.20 अंक घटकर 25,942.10 पर बंद हुआ. ऑटो, आईटी, रियलिटी और स्वास्थ्य समूह के शेयर सबसे ज्यादा टूटे, जबकि मीडिया, एफएमसीजी और सार्वजनिक बैंकों में तेजी रही. मझौली और छोटी कंपनियों पर दबाव दिखा. वैश्विक स्तर पर एशिया और यूरोप के बाजारों में भी मिलेजुले संकेत मिले.

ईवी नीति पर आईएफटीआरटी के तीखे सवाल

प्रदूषण के नाम पर ईवी कंपनियों को फायदा?

सीएनजी वाहनों पर दंड लगाने की तैयारी में है

नई दिल्ली, 29 दिसंबर. सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों को सब्सिडी देने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए इंडियन फाउंडेशन ऑफ ट्रांसपोर्ट रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने दिल्ली सरकार पर वायु प्रदूषण से निपटने के नाम पर ईवी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है.

संगठन का कहना है कि सीएनजी भी एक हरित विकल्प है, लेकिन ईवी कंपनियों के दबाव में सरकार एक तरफ उन्हें सब्सिडी देने की योजना बना रही है, दूसरी तरफ वह सीएनजी वाहनों पर दंड लगाने की तैयारी में है. उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण कम करने की योजना के तहत पेट्रोल और सीएनजी वाहनों पर एक-दो प्रतिशत उपकर लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है. इसका प्रारूप जारी कर उस पर आम लोगों और हितधारकों से राय मांगी गयी है. उसके बाद प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर मंत्रिमंडल की मंजूरी दी जायेगी. इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को बैटरी क्षमता के हिसाब से प्रति किलोवाट पांच हजार रुपये की सब्सिडी देने का भी प्रस्ताव है.

आईएफटीआरटी ने एक प्रेस नोट में दिल्ली के प्रदूषण के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय को जिम्मेदार ठहराया है जो चुनिंदा अधिकारियों की मदद से दिल्ली के प्रशासन की बागडोर संभाले हुए थे.

पहली जनवरी से भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार में शुल्क शून्य

नई दिल्ली, 29 दिसंबर 1 जनवरी 2026 से भारत से ऑस्ट्रेलिया भेजे जाने वाले सभी माल पर शून्य-शुल्क लागू होगा. यह दोनों देशों के बीच हुए भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते के तहत संभव हुआ है.

इससे भारतीय निर्यातकों, छोटे और मध्यम व्यवसायों, किसानों और श्रमिकों को लाभ मिलेगा. पिछले तीन वर्षों में इस समझौते से निर्यात में वृद्धि हुई है और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत हुई है.

बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स 346 अंक लुढ़का

मुंबई, 29 दिसंबर.शुरुआती तेजी के बाद बिकवाली के दबाव में सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में चौतरफा गिरावट रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 345.91 अंक (0.41 प्रतिशत) लुढ़ककर 84,695.54 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 100.20 अंक यानी 0.38 प्रतिशत उतरकर 25,942.10 अंक पर आ गया.

बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन खुलते ही दोनों प्रमुख सूचकांक हरे निशान में चले गए. हालांकि कुछ ही देर बाद वे एक बार फिर गिरावट में आ गये. मझौली और छोटी कंपनियों पर भी दबाव देखा गया. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.50 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.72 प्रतिशत टूट गया. ऑटो, आईटी, रियलिटी, स्वास्थ्य और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में ज्यादा गिरावट रही. मीडिया, एफएमसीजी और सार्वजनिक बैंकों के सूचकांकों में तेजी रही. सेंसेक्स में अडानी पोर्ट्स का शेयर दो प्रतिशत से अधिक उतर गया. एचसीएल टेक्नोलॉजीज और पावरग्रिड में भी करीब दो प्रतिशत की गिरावट रही. ट्रेंट, बीईएल और भारती एयरटेल के शेयर एक प्रतिशत के अधिक टूट गये.

समाचार विशेष

राजनीति में जूनियर पायलट की होगी एंट्री

जयपुर. राजधानी जयपुर में शुक्रवार को एनएसयूआई की ओर से आयोजित श्अरावली बचाओ अभियानश् के तहत निकाले गए पैदल मार्च ने उस समय सियासी रंग ले लियाए जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के बेटे आरान पायलट पहली बार किसी सार्वजनिक रैली में नजर आए.

आरान की मौजूदगी ने इस पर्यावरणीय आंदोलन को पूरी तरह राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला दिया. इसे पायलट परिवार की राजनीतिक विरासत की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है.

एनएसयूआई की ओर से यह पैदल मार्च अरावली पर्वत श्रृंखला में हो रहे अवैध खननए जंगलों की कटाई और पर्यावरण को पहुंच रहे नुकसान के विरोध में निकाला गया. मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने पोस्टर.बैनर लेकर सरकार से अरावली संरक्षण के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की. संगठन के नेताओं ने कहा कि अरावली न केवल राजस्थान बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए जल, पर्यावरण और जैव विविधता की दृष्टि से बेहद अहम है. हालांकि राजनीतिक हलकों में सबसे बड़ा सवाल यही चर्चा का विषय बना रहा कि क्या आरान पायलट की यह मौजूदगी महज एक संयोग है या फिर राजनीति में आने की शुरुआत.

> ### पहले दादा और पिता अब तीसरी पीढ़ी की हुई एंट्री
> राजेश पायलट से लेकर सचिन पायलट तकए पायलट परिवार का राजस्थान की राजनीति में गहरा प्रभाव रहा है. अब आरान पायलट का इस तरह पहली बार किसी रैली में सामने आना कई संकेत दे रहा है. खास बात यह रही कि अब तक सचिन पायलट के दोनों बेटे सार्वजनिक मंचों और रैलियों से दूरी बनाए रखते आए हैं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही आरान ने अभी किसी तरह की राजनीतिक भूमिका को लेकर कोई बयान नहीं दिया हो, लेकिन इस रैली में उनकी मौजूदगी को भविष्य की तैयारी के तौर पर देखा जा सकता है. युवा कार्यकर्ताओं का उत्साह और समर्थन यह भी दर्शाता है कि पायलट समर्थक उन्हें संभावित भविष्य के नेता के रूप में देखने लगे हैं. अब सवाल यही है कि क्या राजेश पायलट और सचिन पायलट के बाद राजस्थान की राजनीति में जूनियर पायलट की एंट्री का रास्ता खुल रहा है. फिलहाल संकेत जरूर मिल रहे हैं, लेकिन अंतिम फैसला समय ही बताएगा.

चंडीगढ़ में 308 दिन में बदली सियासत

सड़क से छठ पूजा तक भाजपा ने लिखी पटकथा

चंडीगढ़. चंडीगढ़ मेयर पद के लिए हाथ उठाकर चुनाव कराने के एलान के साथ ही चंडीगढ़ नगर निगम की राजनीति में जोड़तोड़ के कयास तेज हो गए थे. बुधवार को आम आदमी पार्टी की पार्षद सुमन शर्मा और पूनम के भाजपा में शामिल होते ही इन कयासों पर औपचारिक मुहर लग गई.

यह घटनाक्रम केवल दो पार्षदों का दल-बदल नहीं बल्कि महीनों से चली आ रही एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति का परिणाम माना जा रहा है जिसमें विकास कार्य, धार्मिक आयोजन और सदन की भूमिका सब कुछ शामिल रहा.

पूनम का मामला सबसे ज्यादा चर्चा में है. 19 फरवरी 2024 को वह दो अन्य पार्षदों के साथ आप छोड़कर भाजपा में गई थीं लेकिन 9 मार्च 2024 को यह कहकर फिर से आप में लौट आईं कि उन्हें गुमराह किया गया था. अब महज 308 दिन में उन्होंने दूसरी बार दल बदला और इसे घर वापसी बताया. सियासी हलकों में माना जा रहा है कि यह फैसला अचानक नहीं था. इसकी पटकथा सितंबर से ही लिखी जाने लगी थी. जब पूरे शहर में खराब सड़कों को लेकर हंगामा था और आप-कांग्रेस गठबंधन सदन में मेयर को घेर रहा था, उसी दौरान सबसे पहले पूनम के वार्ड में सड़क निर्माण का काम शुरू कराया गया. नवंबर की सदन बैठक में जहां विपक्ष हमलावर था, वहीं पूनम ने सड़क बनवाने के लिए मेयर हरप्रीत कौर बबला का खुले तौर पर धन्यवाद कर दिया.

> ### मनोनीत पार्षद के लिए बनी गले की हड्डी
> इस दल-बदल से मनोनीत पार्षद गीता चौहान की भूमिका भी उलझन में आ गई है. इंदिरा कॉलोनी की रहने वाली गीता और वहीं की पार्षद सुमन शर्मा के बीच पहले से तीखा टकराव रहा है. बीपीएल कार्ड से लेकर सामुदायिक केंद्र और आरडब्ल्यूए तक के मामलों में दोनों आमने-सामने रही हैं. नवंबर की बैठक में तो धक्कामुक्की तक की नौबत आ गई थी. अब सवाल यह है कि पार्टी लाइन में दोनों एक-दूसरे का विरोध करेंगी या समर्थन देंगी.

कश्मीर की राजनीति में बड़ा मोड़

जम्मू. कश्मीर के प्रमुख धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक के सत्यापित एक्स हैंडल पर दो लाख से अधिक फॉलोवर हैं. उनके संपादित बायो में अब केवल उनका नाम और स्थान विवरण शामिल है.

उन्होंने एक्स प्रोफाइल से हुर्रियत चेयरमैन का पद हटा दिया है. उन्होंने इस बदलाव के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है. मीरवाइज के नेतृत्व वाली उदारवादी हुर्रियत कांफ्रेंस 2019 में अनुच्छेद 370 के निरसन के बाद से लगभग निष्क्रिय रही है. इसके अधिकांश घटक संगठनों पर केंद्र सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था, जिसमें मीरवाइज का अपना राजनीतिक संगठन, अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) भी शामिल है. इस समूह ने पिछले छह वर्षों में शायद ही कभी राजनीतिक बयान जारी किए हैं. हालांकि, मीरवाइज श्रीनगर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में अपने शुक्रवार के प्रवचनों के दौरान कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए संवाद की वकालत करते रहे हैं.

विशेष **कांग्रेस का नेतृत्व कमजोर हाथ में है और उससे भाजपा को फायदा हो रहा है!**

कौन बढ़ा रहा है राहुल, प्रियंका का मामला?

नई दिल्ली. अचानक इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि कांग्रेस पार्टी की कमान प्रियंका गांधी वाड्रा को संभालनी चाहिए. कांग्रेस के अंदर से तो आवाज उठ ही रही है लेकिन सबसे हैरानी वाली बात है कि प्रियंका को अच्छा नेता बताते हुए भारतीय जनता पार्टी के लोग भी कहने लगे हैं कि प्रियंका को आगे आना चाहिए.

सवाल है कि जब भजपा के लोग राहुल गांधी को असेट मानते हैं, अपना स्टार प्रचारक मानते हैं और दावा करते हैं कि जहां राहुल गांधी प्रचार के लिए जाते हैं वहां भाजपा की जीत पक्की कर देते हैं तो फिर क्यों उनको राहल की जगह प्रियंका चाहिएं? यह तो उनके लिए अच्छी बात है कि कांग्रेस का नेतृत्व कमजोर हाथ में है और उससे भाजपा को फायदा हो रहा है! सोचें, कौन अपने लिए मजबूत प्रतिद्वंद्वी खोजता है? तभी इस पूरे विमर्श पर संदेह पैदा होता है. कांग्रेस के लोगों में निश्चित रूप से एक बेचैनी है. लेकिन कोई नहीं चाहता है कि परिवार के अंदर किसी तरह का विवाद हो और कांग्रेस कमजोर हो. फिर भी ओडिशा के पूर्व विधायक मोहम्मद मुकिम या सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद या रॉबर्ट वाड्रा के बयानों के जरिए मामले को उठाया जा रहा है.

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस के अंदर दो पॉवर सेंटर हैं. राहुल और प्रियंका दोनों के करीबी लोगों की टीम है लेकिन वह टीम कांग्रेस को कमजोर करने के लिए नहीं है. जो नेता प्रियंका गांधी के करीबी हैं वे राहुल के विरोध हैं ऐसी बात नहीं है. कहा जाता है कि भूपेश बघेल, डीके शिवकुमार, रेवंत रेड्डी आदि प्रियंका के करीब हैं लेकिन क्या ये सब राहुल के विरोधी हैं? राहुल गांधी के नेतृत्व को कांग्रेस के सारे नेता स्वीकार करते हें. वे मानते हैं कि राहुल की तरह प्रियंका भाजपा या मोदी और शाह का मुकाबला नहीं कर सकती हैं. लेकिन साथ ही उनको यह समस्या भी रहती है कि राहुल बहुत ज्यादा आदर्शवादी हैं. वे व्यावहारिक राजनीति की जरुरतों को उस तरह से नहीं समझते हैं, जैसे प्रियंका समझती हैं. इसलिए प्रियंका के साथ डील करने में कांग्रेस नेताओं को सुविधा होती है, जबकि राहुल उनको असहज कर देते हैं.

> ### दिल्ली में रहते राहुल सदन नहीं पहुंचे
> वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान या प्रियंका गांधी वाड्रा के भाषण के दौरान भी राहुल सदन में नहीं थे, जबकि उस दिन वे दिल्ली में थे. यह भी ध्यान रखने की बात है कि सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं से कहा था कि वंदे मातरम के मामले में डिफेंसिव होने की जरुरत नहीं है. बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर प्रियंका ने बयान दिया लेकिन राहुल खामोश हैं. इन बातों से कांग्रेस नेताओं को परेशानी होती है और इसी परेशानी में प्रियंका का नाम उभर कर सामने आता है.

राहुल गांधी के साथ एक दूसरी समस्या निरंतरता की है. वे किसी भी मसले पर लगातार राजनीति नहीं करते हैं. अभी संसद के शीतकालीन सत्र में ही उन्होंने जिस तरह काम किया उससे कांग्रेस के कई नेता निराश हैं. वे बोल नहीं सकते हैं लेकिन अनौपचारिक बातचीत में एक नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रदूषण का मुद्दा उठाया था.